दृष्टि The Vision

drishti

ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	**DTVF/19(JS)–ESY-E3**	*अधिकतम अंक: 250* ***Maximum Marks: 250***

Name: Girdhari lal Meena **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** AWAKE-19/E017

Center & Date: 13/08/2019 **UPSC Roll No.** ***(If allotted)*:** 0856006

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड A और B में प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिये, जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो: 125 × 2 = 250

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Section A and B, in about 1000–1200 words each: **125 × 2 = 250**

खंड–A / SECTION–A

1. प्रौद्योगिकी वह सशक्त साधन है जो उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी तय करता है।
   Technology is that powerful tool which covers the distance between hope and scope.
2. अन्नदाता का उद्धार किसी दया में नहीं बल्कि नवाचार में है।
   Farmer's emancipation lies in innovation rather than mercy.
3. भारत के वे अनिवार्य सामाजिक परिवर्तन जिन्हें आप आगामी कुछ दशकों में होता देखना चाहेंगे।
   The necessary social changes that you wish to see in India in the next few decades.
4. पारंपरिक मूल्यों के साथ आधुनिक विश्व की समस्याओं का समाधान तलाशती भारतीय विदेश नीति।
   India's foreign policy: Exploring solutions to the problems of the modern world with traditional values.

खंड–B / SECTION–B

1. सर्वोच्च शिक्षा वह है जो सिर्फ हमें जानकारी नहीं देती अपितु प्रकृति के साथ हमारे सह-अस्तित्व को भी सुनिश्चित करती है।
   The best education is that which not only gives us information, but also ensures our coexistence with nature.
2. राजनीति में आदर्श अपेक्षित भी है और उपेक्षित भी।
   Ideals in politics are required as well as neglected.
3. समान के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिये और असमान के साथ असमान।
   Equals should be treated equally and unequals unequally.
4. उस समाज में स्वतंत्रता अर्थहीन है, जिसमें गलती करने की आज़ादी न हो।
   Liberty is meaningless in that society where there is no freedom to commit mistakes.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड–A / SECTION–A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. प्रौद्योगिकी वह सशक्त साधन है जो उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी तय करता है।

   Technology is that powerful tool which covers the distance between hope and scope.

2. अन्नदाता का उद्धार किसी दया में नहीं बल्कि नवाचार में है।

   Farmer's emancipation lies in innovation rather than mercy.

3. भारत के वे अनिवार्य सामाजिक परिवर्तन जिन्हें आप आगामी कुछ दशकों में होता देखना चाहेंगे।

   The necessary social changes that you wish to see in India in the next few decades.

4. पारंपरिक मूल्यों के साथ आधुनिक विश्व की समस्याओं का समाधान तलाशती भारतीय विदेश नीति।

   India's foreign policy: Exploring solutions to the problems of the modern world with traditional values.

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

SECTION-A

① "प्रौद्योगिकी वह सशक्त साधन है जो उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी तय करता है।"

" स्वतंत्रता की आधी रात को हमने एक ऐसे भारत का सपना देखा था, जहाँ अमीर-गरीब, महिला-पुरुष, ग्रामीण-शहरी क्षेत्र विकास में समान भागीदार बने। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आज प्रौद्योगिकी का प्रयोग स्वतंत्रता कालीन उम्मीदों को अवसर में बदलने के लिये किया जा रहा है।"

उपरोक्त प्रसंग बताता है कि एक राष्ट्र, समाज व व्यक्ति के लिए प्रौद्योगिकी की क्या भूमिका होती है। आज सम्भावनाओं एवं उम्मीदों को अवसरों में बदलने के लिए प्रौद्योगिकी का प्रयोग कृषि, स्वास्थ्य व दैनिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में किया जा रहा है। आज मनुष्य अपने नींद के लिए भी प्रौद्योगिकी संचालित एसी, पंखे पर निर्भर है। इसी आधार पर प्रौद्योगिकी को क्रांति तथा आगे की क्रांति का कारण माना जाता है।

प्रौद्योगिकी वह साधन है जो मानव

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

को अपनी गतिविधियों के संचालन में सहायता करे। सेना व अंतरिक्ष हर जगह प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया जा रहा है।

अब हम यह जानेंगे कि प्रौद्योगिकी सशक्त साधन क्यों है तथा यह किस प्रकार उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी तय करता है। उम्मीद परिवर्तन का वाहक है। नवपाषाण काल में प्रौद्योगिकी के प्रयोग से ही मानवीय सभ्यताओं का विकास हुआ। प्रौद्योगिकी राजनीतिक क्षेत्र में उम्मीद व अवसर के बीच दूरी तय कर सकती है। हमारे गाँधीवादी सिद्धांतों की आवश्यकता के अनुसार सभी लोगों की राजनीतिक व्यवस्था में भागीदारी हो। आज ईवीएम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के लोग भी गाँधीवादी सिद्धांतों की उम्मीद को अवसर में बदल रहे हैं।

प्राचीन काल से ही हमारा लक्ष्य जन केन्द्रित, जवाबदेह तथा उत्तरदायी प्रशासन का रहा है। आज सूचना के अधिकार, सिटीजन चार्टर व ई-शासन के तहत प्रौद्योगिकी के माध्यम से लोगों को प्रशासन से जोड़ा जा रहा है साथ ही योजनाओं का क्रियान्वयन भी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गाँधीवादी सर्वोदय की धारणा को यथार्थ रूप देने के लिए किया जा रहा है। "प्रशासन आपके द्वार" जैसी धारणाएं प्रौद्योगिकी के एक सशक्त माध्यम से सम्भव हुई जो उम्मीद और अवसर के बीच की दूरी को तय करता है।

हमने उम्मीद की थी कि सबको स्वास्थ्य एवं सबको शिक्षा का अधिकार मिलेगा। आज प्राथमिक शिक्षा में लगभग 100% का जादुई आँकड़ा प्रौद्योगिकी के प्रयोग से ही ~~प्रयोग~~ प्राप्त किया जा सका। टेली-मेडिसीन व टेली-एजुकेशन की प्रौद्योगिकी आधारित विचार शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र में उम्मीद व अवसर के बीच दूरी को मिटा रहे हैं। इसी प्रौद्योगिकी के प्रयोग से सभी के लिए स्वास्थ्य की उम्मीद भी जल्द ही आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से अवसर में बदलती जा रही है। प्रौद्योगिकी का प्रयोग एक समावेशी, शिक्षित व स्वस्थ भारत की उम्मीद को सार्थक रूप दे रहा है।

प्रौद्योगिकी का आर्थिक क्षेत्र में प्रयोग नई-नई उम्मीदों को अवसर में बदल रहा है। औद्योगीकरण के कारण लोगों के जीवन स्तर में वृद्धि हो रही है। "सब के लिए भोजन" का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अधिकार भी तकनीकी व प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप के माध्यम से प्राप्त किया जा रहा है। कौशल विकास, शिल्प विकास के साथ-साथ 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य भी प्रौद्योगिकी के कारण उम्मीद में बदल रहा है। मनरेगा व अन्य योजनाओं में प्रौद्योगिकी का प्रयोग गरीबी निवारण में सहायक हो रहा है। परिवहन के विभिन्न साधन तथा नगरीकरण के कारण प्राप्त अवसरों का प्रौद्योगिकी के कारण ~~हस्तक्षेप~~ उपयोग किया जा रहा है। प्रौद्योगिकी के कारण आर्थिक संसाधनों का समानता आधारित वितरण किया जा रहा है तथा "अधिकतम व्यक्तियों के अधिकतम सुख" की बात की जा रही है।

प्रौद्योगिकी का प्रयोग पर्यावरण क्षेत्र में भी उम्मीद और अवसर के बीच दूरी तय करने के लिए प्रयोग किया जा रहा है। जलवायु परिवर्तन की समस्या के लिए वैकल्पिक तकनीकों का विकास किया जा रहा है। ये वैकल्पिक तकनीक मानव-प्रकृति के सह-अस्तित्व पर आधारित है। हमारी उम्मीद है कि हम प्रकृति के संसाधनों का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

संरक्षण के माध्यम से उपयोग करे। प्रौद्योगिकी के प्रयोग से संसाधनों का मानवीय हित में प्रयोग किया जा रहा है। आज प्रौद्योगिकी के कारण संसाधनों का उपयोग अफ्रीका व जनजातीय लोगों के विकास अवसरों का लाभ लेने के लिए किया जा रहा है।

प्रौद्योगिकी के प्रयोग ने "महिला सशक्तीकरण" व कथित दलितों के विकास में सहयोग दिया है। प्रौद्योगिकी के कारण कल्पना चावला, सुनीता विलियम्स प्रसिद्ध हो गई है। महिलाओं का कार्यक्षेत्र विस्तारित हो रहा है। सोशल मिडिया के कारण महिलाऐ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का प्रयोग कर रही है। इस आधार पर समाज अधिक लोकतांत्रिक बन रहा है। महिला सशक्तिकरण की उम्मीद को अवसर में बदलने का कार्य प्रौद्योगिकी विकास के द्वारा ही किया गया। आज निम्न वर्ग के लोगों को प्रशासन व राजनीति में भागीदारी मिल रही है। तकनीक आधारित शिक्षा के कारण प्राचीन काल का "चाण्डाल" आज नीति निर्माण में सहायता कर रहा है। इस आधार पर उम्मीदों व अवसर के मध्य दूरी को तय करने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

में प्रौद्योगिकी आधारित साधन ने प्रभावी भूमिका निभाई है।

प्रौद्योगिकी के हस्तक्षेप से सांस्कृतिक तत्वों के एकीकरण को बढ़ावा मिले। हमारी उम्मीद थी कि भारतीय संस्कृति का विश्व में प्रसार हो। आज प्रौद्योगिकी के कारण योग व अन्य सांस्कृतिक विशेषताओं को विश्व में बढ़ावा मिल रहा है। जापान में मिथिला चित्रकला का प्रसिद्धि पाना प्रौद्योगिकी आधारित उम्मीद के कारण सम्भव हो सका है। प्रौद्योगिकी के कारण "वसुधैव कुटुम्बकम्" की हमारी उम्मीद को अवसर में बदला जा रहा है। आज संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रौद्योगिकी के प्रयोग से तृतीय विश्व के सामाजिक- आर्थिक विकास का प्रयास किया जा रहा है।

प्रौद्योगिकी के कारण वैश्विक सहायता की उम्मीद को अवसर में बदला जा रहा है। आपदा की स्थिति में भारत द्वारा म्यांमार व इण्डोनेशिया की सहायता की गई। इस कारण सकारात्मक विश्व व्यवस्था का निर्माण हो रहा है। इस कारण विश्व सहयोग की "हम" आधारित

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। प्रौद्योगिकी के प्रयोग से आंतरिक व बाह्य क्षेत्रों में शांति की स्थापना में शांति मिल रही है। पुलिस प्रौद्योगिकी के प्रयोग से अफवाहों पर नियंत्रण भी लगा देती है। इस कारण समाज में संघर्ष की भावना हतोत्साहित होती है। "प्रौद्योगिकी ने समाज को समावेशी बनाया है तो मानव को मानव होने का आभास करवाया है।"

प्रौद्योगिकी द्वारा उम्मीद व अवसर के बीच की दूरी तय करने की फेहरिस्त कम लम्बी नहीं है। जितना मानव का कार्य क्षेत्र है, सब जगह प्रौद्योगिकी द्वारा अवसरों को बढ़ावा दिया जा रहा है। अपशिष्ट प्रबंधन से लेकर ऊर्जा उत्पादन तक सभी जगह प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया जा रहा है। प्रौद्योगिकी के कारण अंतरिक्ष की खोज सम्भव हुई तथा प्रौद्योगिकी ने हमें यह बताया कि "हम क्या है और क्या बन सकते हैं।" अंतरिक्ष शोध के कारण संसाधनों तथा विचार के नये क्षितिज विहीन अवसर की प्राप्ति हुई है। इस आधार पर तकनीक का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रयोग अवसरों के सृजन की बाधक बन गई है।

अब सिक्के के दूसरे पहलू पर भी विचार किया जाना आवश्यक है। प्रौद्योगिकी द्वारा केवल सकारात्मक क्षेत्र में ही उम्मीद व अवसर के बीच की दूरी को तय नहीं किया गया बल्कि इसने नकारात्मक परिणाम भी पैदा किये है। प्रौद्योगिकी के कारण प्रकृति का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। इसी कारण कहा जा रहा है कि "मानव का भविष्य हरा होगा या होगा ही नहीं।"

सैन्य क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के प्रयोग के कारण विश्व युद्धों एवं उपनिवेशवादी उम्मीदों को बढ़ावा मिला है। प्रौद्योगिकी के प्रयोग से तृतीय विश्व के संसाधनों का दोहन किया गया। इस कारण इन देशों में अशांति की दशा उत्पन्न हुई। आज तकनीक व प्रौद्योगिकी के प्रयोग के कारण "बैंकिंग फ्रॉड" व सामाजिक-आर्थिक विषमता बढ़ी है। इस प्रकार की प्रवृत्ति ने अवसरों का कुछ विशेष वर्गों के लिए ही संकेन्द्रण किया है। प्रौद्योगिकी के अनुचित प्रयोग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

के कारण " एक व्यक्ति स्वयं को बेचने को तैयार है तो अमीर लोग मानव के साथ-साथ मानवता की भी बिक्री कर रहे हैं।"

प्रौद्योगिकी आज अंतरिक्ष में संघर्ष के कारण संघर्ष के नये आयामों व अवसरों को बढ़ा रही है इसी कारण कांट ने कहा था कि " प्रौद्योगिकी सामाजिक-आर्थिक विषमता तथा संघर्ष को बढ़ावा देती है तथा मानव के नैतिक मूल्यों को कमजोर कर देती है" सोशल मीडिया के कारण सामाजिक-धार्मिक विभाजन व महिलाओं के प्रति अपराधों के "अवसरों" को बढ़ाया गया है इस आधार पर प्रौद्योगिकी नकारात्मक रूप में अवसर प्रदान कर रही है। प्रौद्योगिकी पर्यावरण, आर्थिक, सामाजिक, राजनीति व नैतिक पक्षों को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रही है।

अब हमें यह विचार करना है कि प्रौद्योगिकी का प्रयोग सकारात्मक क्षेत्र में उम्मीदों व अवसरों के बीच दूरी तय करने के लिए कैसे किया जाये। प्रौद्योगिकी की पहुंच सभी लोगों तक हो ताकि प्राप्त अवसरों का सभी लोगों द्वारा उपयोग किया जा सके। "स्मार्ट नागरिक" का

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शिक्षा व समाजीकरण की प्रक्रिया के माध्यम से निर्माण हो जो प्रौद्योगिकी का सकारात्मक रूप से उपयोग करे। प्रौद्योगिकी का प्रयोग सतत विकास की प्राप्ति के लिए वैश्विक सहयोग के लिए किया जाना चाहिए न कि वैश्विक संघर्ष के लिए। प्रौद्योगिकी का प्रयोग महिला सशक्तीकरण व "सर्वोदय" के लिए किया जाना चाहिए जो विश्व विभाजन (प्रथम, द्वितीय व तृतीय) के बजाय विश्व विकास की उम्मीद व अवसर के बीच दूरी को तय करे।

निष्कर्षत: प्रौद्योगिकी नैतिक रूप से निरपेक्ष है। यह प्रयोगकर्ता पर निर्भर करता है कि लादेन बनकर वह आतंकवाद को बढ़ावा दे या फिर प्रौद्योगिकी का सकारात्मक प्रयोग विक्रम साराभाई की तरह विभिन्न उम्मीदों को अवसर में सकारात्मक रूप से बदलने के लिए कार्य करे। प्रौद्योगिकी का प्रयोग मानव-मानव सहयोग के लिए किया जाना चाहिए न कि मानवीय संघर्ष के लिए। स्मार्ट नागरिक उम्मीदों व अवसरों के बीच दूरी तय कर प्रौद्योगिकी का प्रयोग वैश्विक सहयोग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

तथा गोबर (मजदूर), होरी (किसान) की स्थिति सुधारने के लिए प्रयोग करे। अल्बर्ट आइंस्टाइन के शब्दों में -

"विज्ञान व प्रौद्योगिकी अवसरों व उम्मीदों के दोहन के माध्यम से विश्व व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन का वाहक बन सकती है।"

———x———x———x———

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड–B / SECTION–B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. सर्वोच्च शिक्षा वह है जो सिर्फ हमें जानकारी नहीं देती अपितु प्रकृति के साथ हमारे सह-अस्तित्व को भी सुनिश्चित करती है।

   The best education is that which not only gives us information, but also ensures our coexistence with nature.

2. राजनीति में आदर्श अपेक्षित भी है और उपेक्षित भी।

   Ideals in politics are required as well as neglected.

3. समान के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिये और असमान के साथ असमान।

   Equals should be treated equally and unequals unequally.

4. उस समाज में स्वतंत्रता अर्थहीन है, जिसमें गलती करने की आज़ादी न हो।

   Liberty is meaningless in that society where there is no freedom to commit mistakes.

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

SECTION-B

① "सर्वोच्च शिक्षा वह है जो सिर्फ हमें जानकारी नहीं देती अपितु प्रकृति के साथ हमारे सह-अस्तित्व को भी सुनिश्चित करती है।"

" आज तोता रंटत को ज्ञान, अच्छे अंक बटोरने की शिक्षा तथा शब्दाडम्बर को विचारों की मौलिकता समझ लिया जाता है।"

आस्ट्रिया के शिक्षाविद् इवान इलिच का यह कथन वर्तमान शिक्षा व्यवस्था एवं सर्वोच्च शिक्षा व्यवस्था के बीच विद्यमान अंतराल को उजागर करता है। वर्तमान शिक्षा केवल सूचनाओं का संग्रह मात्र रही गई है जो शिक्षार्थी को केवल आज्ञापालक बनाती है। इसी कारण सर्वोच्च शिक्षा की वकालत की जा रही है जो शिक्षा के दायरे को विस्तृत करे। यह सूचनाओं के संग्रह, जानकारी के साथ-साथ प्रकृति के साथ-सह अस्तित्व की धारणा का भी समर्थन करती है। इसी आधार पर वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन होना चाहिए।

इन्हीं तत्वों के आधार पर सर्वोच्च शिक्षा का विश्लेषण किया जायेगा लेकिन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सर्वोच्च शिक्षा के लक्ष्य से पूर्व हमें वर्तमान शिक्षा की वास्तविकता की जानकारी भी होनी चाहिए। इससे पहले यह जानना आवश्यक है कि शिक्षा क्या है? "शिक्षा जानकारी प्राप्त करने, संस्कृति व विचारों की अनवरत समीक्षा तथा प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की धारणा को कहा जाता है" वर्तमान शिक्षा व्यवस्था दोषपूर्ण है। शिक्षा समावेशी नहीं है तथा महँगी है। शिक्षा में सामाजिक-आर्थिक विषमता विद्यमान है।

वर्तमान शिक्षा व्यवस्था ~~समाज~~ अमीर-गरीब, महिला-पुरुष के भेद को और बढ़ा रही है। शिक्षा व्यवस्था का प्रयाप्त लाभ महिलाओं को नहीं मिला है। भारत में उच्चतर शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी एक चौथाई भी नहीं है। वर्तमान शिक्षा नैतिक मूल्यों से युक्त नहीं है इसी कारण शिक्षा के बावजूद सामाजिक-सांस्कृतिक संघर्ष को बढ़ावा मिल रहा है।

वर्तमान शिक्षा पर्यावरण के साथ सह-अस्तित्व के बजाय उनके दोहन को बढ़ावा देती है। केवल व्यक्तिगत या राष्ट्रीय स्वार्थ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

के लिए सम्पूर्ण विश्व के अस्तित्व को ही संकट में डाला जा रहा है। इसी कारण वनों की कटाई, ग्लेशियरों का पिघलना जैसी समस्याऐं सामने आ रही है। इसी विकृत शिक्षा के कारण प्रकृति मानव के अस्तित्व के लिए ही संकट बन गई है। बाढ़ तथा सूखे की बारम्बारता ने मानव को अपने मूल्यों तथा शिक्षा पर पुनः विचार के लिए मजबूर कर दिया है।

वर्तमान शिक्षा व्यवस्था स्वतंत्र चिंतन के बजाय केवल आँकड़ों के साथ खेलना सीखाती है। इसी कारण एक चार्टेड अकाउंटेंट भी केवल कर बचाने के विकल्पों पर ही अधिक जोर देता है। हम नए-नए गरीबी के आँकड़े प्राप्त कर रहे हैं लेकिन गरीबी के समाधान के लिए प्रयास ~~कर~~ नहीं कर रहे हैं क्योंकि हमारी शिक्षा व्यवस्था उपभोक्तावाद को बढ़ावा देती है।

दोषपूर्ण शिक्षा व्यवस्था के कारण राजनीतिक व प्रशासनिक व्यवस्था भी लोगों से दूर जा रही है। साधन-साध्य की पवित्रता, ट्रस्टीशिप तथा सर्वोदय जैसे गांधीवादी विचार राजनीति एवं

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रशासन में अतीत की वस्तु बन गए है। राजनीति का अपराधीकरण तथा अपराधियों का राजनीतिकरण वर्तमान समाज की प्रमुख बाधा है।

अब चर्चा का अगला पक्ष यह है कि सर्वोच्च शिक्षा कैसी होनी चाहिए? स्वामी विवेकानंद के अनुसार "शिक्षा व्यवस्था सामाजिक समस्याओं के समाधान के साथ-साथ मानव-मानव को जोड़ने वाली होनी चाहिए।" शिक्षा का प्रमुख तत्व हमें जानकारी देना है। शिक्षा हमें जानकारी दे कि हम क्या है तथा क्या बन सकते है। शिक्षा हमें ~~बताये~~ बताये कि वर्तमान व्यवस्था में दोष कहाँ है तथा सम्भावित समाधान क्या हो सकता है। शिक्षा व्यक्ति को यह जानकारी प्रदान करे कि समाज में उसका क्या योगदान हो सकता है?

शिक्षा हमें यह बताये कि हमारे नैतिक मूल्य कितने विकसित है। सर्वोच्च शिक्षा यह बताती है कि व्यक्ति जानकारी का विश्लेषण करने वाला कैसे बन सकता है। साथ ही हम इस आधार पर भी सक्षम हो कि जानकारी तथा उसके विश्लेषण के पश्चात उसके माध्यम से

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

तर्कसंगत निकाले। यदि शिक्षा इस प्रकार विकसित होगी तो फेक न्यूज पर नियंत्रण किया जा सकेगा तथा सोशल मीडिया के रूप में लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ का विस्तार होगा। शिक्षा व्यवस्था हमें यह बताये कि गरीबी कितनी है साथ यह भी बताये कि इस गरीबी का समाधान किस तरह से किया जा सकता है।

वस्तुत: वर्तमान शिक्षा व्यवस्था केवल "जानने" तक ही सीमित है। अत: इस शिक्षा व्यवस्था का विकास सर्वोच्च शिक्षा के रूप में हो जो यह बताये कि "जानने" के साथ-साथ इस जानकारी का सदुपयोग किस आधार पर किया जा सकता है। व्यक्ति शिक्षित होकर कृषि व शिक्षा को समावेशी बनाये। शिक्षा व्यक्ति को कर्मशील बनाये न कि आश्रित। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था शिक्षित बेरोजगारों के रूप में आश्रित लोगों को जन्म दे रही है जबकि सर्वोच्च शिक्षा व्यक्तित्व कि विकास के साथ-साथ व्यक्ति को इस योग्य बनाये कि वह रोजगार प्रदाता बने न कि रोजगार माँगने वाला।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अब हमें यह जानना है कि सर्वोच्च शिक्षा किस प्रकार प्रकृति व मानव के सह-अस्तित्व को सुनिश्चित करती है। सर्वोच्च शिक्षा हमें यह बताती है कि मानव का अस्तित्व प्रकृति पर निर्भर है न कि प्रकृति का अस्तित्व मानव पर निर्भर है। इस प्रकार की शिक्षा प्राचीन भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देती है जो प्रकृति की पूजा करती है। सर्वोच्च शिक्षा हमें यह बताती है कि प्रकृति के दोहन के बजाय उसका "उचित उपयोग" किया जाये।

सर्वोच्च शिक्षा सतत विकास की पोषक होती है। इसके तहत संसाधनों के उचित वितरण की बात की जाती है। यदि सर्वोच्च शिक्षा लागू होती है तो जलवायु परिवर्तन, ग्रीन हाउस गैस जैसी समस्याओं का समाधान किया जा सकेगा। पेड़ व्यक्ति के मित्र है। अतः इनको सतत रूप से विकसित होने देना चाहिए। सर्वोच्च शिक्षा जल की एक बूँद का महत्व बताकर "जल के दुरुपयोग" पर नियंत्रण लगाना सिखाती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रकृति आधारित सर्वोच्च शिक्षा

प्रकृति संरक्षण के प्रति व्यक्ति को वफादार बनाती है गाँधीजी, गोरा देवी (चिपको आंदोलन) सर्वोच्च शिक्षा से युक्त थे क्योंकि इन्होंने मानव व प्रकृति के सह-अस्तित्व की बात कही थी। गांधीजी द्वारा कहा गया था कि "प्रकृति सभी व्यक्तियों की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकती है लेकिन किसी एक के भी लालच की नहीं।" सर्वोच्च शिक्षा यह बताती है कि हम प्रकृति के संरक्षक मात्र है न कि मालिक है।

सर्वोच्च शिक्षा प्रकृति को पूर्वजों का उपहार मानने के साथ-साथ आने वाली पीढी के लिए अपना उत्तरदायित्व मानती है। जनजातीय क्षेत्र में लोग किसी औपचारिक शिक्षा के बजाय सर्वोच्च शिक्षा से युक्त होते हैं। जनजातीय क्षेत्र में लोग जन्म लेते ही पाठ सीख लेते हैं कि प्रकृति व मानव का अस्तित्व सहयोग पर आधारित है। एकतरफा दोहन तो मानव के साथ-साथ मानवता को भी कब्र के तले दफना देगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सर्वोच्च शिक्षा प्रकृति के संरक्षण पर आधारित नैतिक मूल्यों का विकास करती है। यह बताती है कि प्रकृति का संरक्षण कानूनी दायित्व होने के साथ-साथ नैतिक दायित्व भी है। सर्वोच्च शिक्षा के कारण सह-अस्तित्व, सतत उपयोग, साहचर्य, संसाधनों के उचित वितरण पर आधारित नैतिक मूल्यों का विकास होता है।

सर्वोच्च शिक्षा अपशिष्ट के उचित प्रयोग व अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन के बारे में बताती है। इसके कारण संसाधनों का उचित उपयोग होने से खनन गतिविधियों पर नियंत्रण होगा। इस आधार पर मानव प्रकृति का संरक्षण कर सकेगा। साथ ही मानव ऊर्जा के नवीकरणीय संसाधनों का प्रयोग कर के भी प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व को दर्शा सकता है।

सर्वोच्च शिक्षा प्रकृति के संरक्षण को व्यक्ति का कर्तव्य बना देती है। इसी प्रकार की सर्वोच्च शिक्षा की वर्तमान में प्रासंगिकता महसूस की जा रही है। ऐसी शिक्षा की

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आवश्यकता है जो प्रकृति को लालच के बजाय स्वयं के अस्तित्व के आधार के रूप में देखे।

सर्वोच्च शिक्षा हमें यह जानकारी दे की प्रकृति का संरक्षण आवश्यक है तथा यह भी बताये कि इस सह-अस्तित्व को कैसे बढ़ाया जा सकता है। अब चर्चा का अगला पक्ष यह है कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च शिक्षा व्यवस्था में किस प्रकार परिवर्तित किया जाये जो प्रकृति के साथ-सहअस्तित्व को बढ़ावा दे।

• शिक्षा व्यवस्था के वर्तमान नैतिक मूल्यों का दायरा विस्तृत किया जाना चाहिए। ये नैतिक मूल्य व्यक्तिवाद के बजाय सामूहिक स्वामित्व व उत्तरदायित्व पर बल देने वाली जनजातीय विचारधारा से युक्त हो। शिक्षा हमें यह बताये कि लालच व आवश्यकता में क्या अंतर है ताकि संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग किया जा सके। शिक्षा व्यक्ति को कानूनों के क्रियान्वयन के योग्य बनाये। सर्वोच्च शिक्षा कृषि वानिकी, सामुदायिक वानिकी के माध्यम से प्राकृतिक अंगों के मध्य सहयोग को बढ़ावा देती हो। सर्वोच्च शिक्षा के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

माध्यम से पर्यावरणीय सहयोग का राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय ढांचा विकसित हो। इसके लिए वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में परम्परागत भारतीय संस्कृति के तत्वों का समावेश किया जाना चाहिए क्योंकि इन तत्वों के माध्यम से प्रकृति पूजा व सह-अस्तित्व की धारणा को बढ़ावा मिलेगा। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च शिक्षा बनाने के लिए बहुआयामी सुधारों व सहयोग की आवश्यकता है।

निष्कर्षतः शिक्षा व्यवस्था जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ मानव को इस योग्य बनाये कि वह प्रासंगिक निष्कर्ष प्राप्त कर सके। सर्वोच्च शिक्षा सतत विकास लक्ष्यों के माध्यम से प्रकृति के सह-अस्तित्व को बढ़ावा देती है। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में उचित व दीर्घकालिक परिवर्तन व समावेशी बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए व्यक्ति के स्तर से लेकर अंतर्राष्ट्रीय नियंत्रण व सहयोग की वैश्विक व्यवस्था की आवश्यकता है जो स्मार्ट नागरिकों से परिचालित हो।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

सुकरात के शब्दों में शिक्षा "ज्ञान के माध्यम से अंधकार को मिटाने वाली तथा आस-पास के वातावरण से स्वयं को सम्बन्धित करने वाली होनी चाहिए"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation